अंक 6, 06 जून 2017

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
1916 2016
जन्म शताब्दी वर्ष

संगठन संवाद पत्र

विस्तारक प्रवास, चंडीगढ़

20 मई 2017

मोदी पर गरीबों के विश्वास की मिसाल है चंडीगढ़

20 मई 2017

(प्रात: 7:45 बजे से रात्रि 1:30)

7:45	निवास से हवाई अड्डे के लिए प्रस्थान
9:10	दिल्ली हवाई अड्डे से चंडीगढ़ के लिए प्रस्थान
10:30	चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर आगमन और कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत के बाद मार्ग में कई जगह स्वागत और कार्यकर्ताओं के भारी हुजूम के साथ प्रदेश कार्यालय के लिए प्रस्थान
11:30	प्रदेश कार्यालय में आगमन एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की मूर्ती का अनावरण
11:35	नानाजी देशमुख ग्रंथालय एवं ई-ग्रंथालय का उद्घाटन एवं अवलोकन
11:45	प्रदेश पदाधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक में हर स्तर के कार्यकर्ता को बात रखने का अवसर
1:30	प्रदेश अध्यक्ष के निवास की ओर प्रस्थान
1:45	प्रदेश अध्यक्ष के निवास पर वरिष्ठ संपादकों के साथ बैठक और विभिन्न मुद्दों पर अनौपचारिक संवाद
2:45	प्रेस क्लब के लिए प्रस्थान
3:00	प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता
4:00	यूटी गेस्ट हाउस में विभिन्न विभागों एवं प्रकल्प प्रमुखों के साथ चर्चा एवं उनके लक्ष्यों का निर्धारण
5:00	चुनाव विभाग और आईटी एवं सोशल मीडिया द्वारा प्रस्तुति में इन विभागों के लक्ष्यों का निर्धारण
5:45	कानून भवन के लिए प्रस्थान
6:00	कानून भवन में आगमन और बुद्धिजीवियो के सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री अमित शाह ने पार्टी की विचारधारा को रखा
7:30	गेस्ट हाउस के लिए प्रस्थान
8:00	गेस्ट हाउस में लेखा, वित्त और आजीवन सहयोग निधि पर चर्चा और लक्ष्यों का निर्धारण
9:00	यूटी गेस्ट हाउस में प्रबुद्ध जनों के साथ भोजन और चर्चा
9:30	पर कोर ग्रुप की बैठक में स्थानीय राजनीति पर चर्चा
11:30	नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय पर आगमन और अवलोकन
12:30	रेलवे स्टेशन के लिए प्रस्थान
1:00	रेल द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान
1:30	रेल में रात्रि विश्राम

अखिल भारतीय प्रवास कार्यक्रम के अंतर्गत 20 मई 2017 को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह चंडीगढ़ के एक दिन के प्रवास पर रहे। इस प्रवास कार्यक्रम में उन्होंने संगठन पदाधिकारियों के साथ बैठक, विभागों एवं प्रकल्पों पर चर्चा, पत्रकारों एवं बुद्धिजीवियों से संवाद एवं ग्रंथालय का उद्घाटन किया। उनके इस प्रवास कार्यक्रम से भारतीय जनता पार्टी को चंडीगढ़ में संगठन के स्तर पर एवं अन्य स्तरों पर व्यापक लाभ मिल रहा है। पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस प्रवास की उपलब्धियों को निम्नवत देख रही है।

- चंडीगढ़ के निकाय चुनावों में मिली भारी जीत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए उनमे ऊर्जा का संचार किया। निकाय चुनावों में झुग्गी और मलीन बस्तियों में मिली सफलता के लिए श्री अमित शाह ने मोदी सरकार द्वारा गरीब कल्याण के लिए किये जा रहे कार्यों और भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रेय देते हुए कहा कि इन बस्तियों में मिली सफलता देश की गरीब जनता के बीच प्रधानमंत्री मोदी के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह मोदी के विकास रथ को हर गरीब तक पहुंचाए। श्री शाह के इस वक्तव्य से निश्चित रूप से भाजपा का जनाधार चंडीगढ़ के गरीबों और दलितों में ज्यादा पुख्ता होगा। पार्टी इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रही है।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रही केंद्र सरकार द्वारा OROP निश्चित करने और सैनिकों को दिए जा रहे सम्मान से निश्चित रूप से सैनिकों में भाजपा और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति सम्मान और विश्वास बढ़ा है। अतः सैनिको के मतदान को सुविधापूर्ण और सुगम बनाने से पार्टी को निश्चित रूप से लाभ होगा। श्री शाह ने इस दृष्टि से पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि केन्द्रीय नेतृत्व ने इसके लिए एक टीम का गठन किया है जो कि शीघ्र ही एक निश्चित और प्रभावी कार्यक्रम बनायेगी। यह पार्टी के लिए हितकर होगा।
- पंडित दीनदयाल बूथ विस्तारक योजना के अंतर्गत श्री शाह ने बैठक लेते पूर्णकालिक विस्तारको के महत्व पर बल देते हुए कार्यकर्ताओं के लिए निश्चित लक्ष्य तय किये। राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस प्रयास से चंडीगढ़ में भाजपा का संगठन निश्चित रूप से और मजबूत होगा। अत: संगठनात्मक सुदृढ़ता के लिहाज से यह एक बड़ी उपलब्धि है।
- विभागों और प्रकल्पों की बैठक लेते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि विभाग और प्रकल्प 11 करोड़ सदस्यों वाली भाजपा की वैचारिक आत्मा को सहेजते हुए पार्टी के समयानुकूल आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक हैं। श्री अमित शाह शाह ने हर विभाग और प्रकल्प महत्त्व को रेखांकित करते हुए उनके प्रतिनिधियों के लिए एक निश्चित समयबद्ध लक्ष्य दिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष का यह प्रयास निश्चित रूप से चंडीगढ़ में प्रदेश स्तर पर विभागों और प्रकल्पों को भाजपा को मजबूती देगा, जिसके दूरगामी परिणाम पार्टी के हित में हैं।
- नानाजी देशमुख ग्रंथालय और ई-ग्रंथालय का उद्घाटन करके श्री अमित शाह ने भाजपा की पठन-पाठन की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए चंडीगढ़ के कार्यकर्ताओं में एक प्रभावी सन्देश प्रेषित करने का कार्य किया, जिससे प्रदेश के कार्यकर्ताओं के बौद्धिक विकास के महत्त्व के लिए महत्वपूर्ण सन्देश गया। पार्टी के वैचारिक विस्तार के लिहाज से यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- चंडीगढ़ स्वयं में तो एक छोटा भूभाग है परन्तु दो राज्यों की राजधानी यहाँ होने की वजह से चंडीगढ़ का राजनैतिक प्रभाव दो बड़े राज्यों पर पड़ता है। अतः चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा किये गए कामों को भाजपा के "गुड गवर्नेन्स" के मॉडल पर ही चलाना होगा जिससे पंजाब और हरियाणा तक इसका सकारात्मक प्रभाव पड़े। इन विषयों को मुख्य रूप से सामने लाने में श्री अमित शाह के संबोधन ने उत्प्रेरक का कार्य किया, जो पार्टी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मीडिया संपर्क विभाग

मीडिया लोकतंत्र का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में जाना जाता है। एक राजनीतिक दल के रूप में भारतीय जनता पार्टी ने आंतरिक लोकतंत्र को बेहद पारदर्शी ढंग से आत्मसात किया है। अत: मीडिया से नियमित संवाद और मीडिया के बीच अपनी बात रखने के माध्यम के रूप में पार्टी का मीडिया संपर्क विभाग काम कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी का मीडिया संपर्क विभाग राष्ट्रीय एवं प्रदेश सहित अलग-अलग स्तर पर कार्य कर रहा है। इस विभाग का दायित्व सूचना तंत्र में पार्टी की पहुँच को सही ढंग से स्थापित करना और सूचनाओं का आदान-प्रदान करना है। पार्टी का मीडिया संपर्क विभाग मुख्य रूप से निम्नवत गतिविधियों को संचालित करता है।

- भारतीय जनता पार्टी का मीडिया विभाग देश की सभी पत्र-पत्रिकाओं सहित अनेक मीडिया संस्थानों के संपादकों के साथ नियमित स्तर पर संवाद और संपर्क की व्यवस्था को सुनिश्चित करता है।
- पार्टी की विचारधारा एवं पार्टी की सरकारों की नीतियों को लेकर पैदा होने वाले भ्रम आदि को दूर करते हुए स्पष्टता के साथ उसे मीडिया तक पहुंचाने का कार्य भाजपा का मीडिया और संपर्क विभाग करता है। किसी विषय विशेष, जिसपर मीडिया में संवाद जरुरी हो, के लिए आवश्यक पार्टी नेता से मीडिया का संपर्क कराने आदि का दायित्व मीडिया विभाग का है।
- मीडिया विभाग यह सुनिश्चित करता है कि जो नियमित स्तर पर समाचार चैनलों की बहस आदि में हिस्सा लेते हैं अथवा विभिन्न समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में लिखते हैं, उनको पार्टी एवं पार्टी की सरकार के बारे में सही जानकारी उपलब्ध हो। ऐसे लोगों से संपर्क और संवाद की व्यवस्था पार्टी के मीडिया विभाग द्वारा की जाती है।
- आमतौर स्वतंत्र लेखन करने वाले स्तंभकारों को राजनीतिक दलों के बारे में सही एवं सटीक जानकारी नहीं मिल पाती है। ऐसे में भाजपा का मीडिया संपर्क विभाग उचित जानकारी को उन तक पहुंचाने और उनसे नियमित स्तर पर संवाद बनाए रखने की नीति पर काम करता है।
- पार्टी अथवा पार्टी की सरकारों के बारे में मीडिया में चल सामग्री पर नजर रखते हुए उसका संकलन करने का दायित्व भी मीडिया संपर्क विभाग का है। कई बार ऐसा होता है कि मीडिया में पार्टी के संबंध में कोई गलत सूचना लोगों में जा रही है, ऐसे में यह विभाग उसके खंडन आदि के लिए समुचित मंच और व्यक्ति की व्यवस्था करता है। आवश्यकता पड़ने पर विविध विषयों पर प्रेस-कांफ्रेंस आदि को लेकर भी यह विभाग काम करता है।
- अधिक से अधिक मीडिया से जुड़े लोगों को संपर्क में लाना एवं उनतक अपनी बातों को सही ढंग से पहुंचाने का कार्य भी पार्टी का मीडिया संपर्क विभाग करता है।
- समय-समय पर व्यवस्थित ढंग से प्रेस-विज्ञप्ति आदि जारी करने एवं उसे मीडिया में वाजिब जगह दिलाने की व्यवस्था भी पार्टी के मीडिया संपर्क विभाग का प्रमुख दायित्व है।

मीडिया और संपर्क विभाग पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी के विचार:

पार्टी की विचारधारा और कार्यक्रमों के साथ-साथ हमारी सरकारों द्वारा किये जा रहे कार्यों को जनता तक पहुंचाने में मीडिया और इससे जुड़े लोगों की विशेष भूमिका होती है। अत: हमारा दायित्व है कि हम मीडिया को आवश्यक जानकारी सही समय पर दे और यह भी सुनिश्चित करे कि दी गई जानकारी को तोड़ा-मरोड़ा न जाये। इस उद्देश्य की प्राप्ति में मीडिया संपर्क विभाग की एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

“चंडीगढ़ निकाय चुनाव में जिस तरह से गरीब बस्तियों में पहली बार भाजपा को भारी जनसमर्थन मिला वह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर देश की गरीब जनता का लगातार बढ़ते विश्वास का प्रतीक है।”

चंडीगढ़ प्रवास के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह के उद्बोधन के मुख्य बिंदु:

प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद पहले ही बैठक में श्री नरेन्द्र मोदी जी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि केंद्र की भाजपा सरकार देश के गरीबों, मजदूरों एवं किसानों की सरकार होगी और पिछले तीन साल में मोदी सरकार ने इसे अक्षरशः चरितार्थ करके दिखाया है।

.....

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्त्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के तीन साल में हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है, यहाँ तक कि हमारे विरोधी भी हम पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा सके हैं।

.....

कांग्रेस की यूपीए सरकार के समय जहां देश की अर्थव्यवस्था बदहाल स्थिति में थी, वहीं आज भारत दुनिया की सबसे तेज गति से आगे बढ़नेवाली अर्थव्यवस्था है।

.....

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी राजनीतिक जीवन के अंदर शुचिता लाने और सार्वजनिक जीवन में से काले-धन के दुष्प्रभाव को निरस्त करने के लिए एक बहुत बड़े चुनाव सुधार का कार्यक्रम लेकर आये हैं।

.....

हमने तीन साल में ही लगभग 13 हजार से अधिक गाँवों में बिजली पहुंचाने का काम पूरा कर लिया है और 2018 तक देश में एक भी गाँव ऐसा नहीं रहेगा, जहां बिजली नहीं होगी।

.....

देश के चार करोड़ घरों में शौचालय निर्माण का काम पूरा कर लिया गया है, मैं मानता हूँ कि स्वच्छ भारत अभियान और समाज सुधार की दिशा में यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

.....

यूपीए की सोनिया-मनमोहन सरकार के समय जहां देश की अर्थव्यवस्था बदहाल स्थिति में थी, वहीं आज भारत दुनिया की सबसे तेज गति से आगे बढ़नेवाली अर्थव्यवस्था है।

गुजरात प्रवास के दौरान वडोदरा में भाजपा अध्यक्ष द्वारा प्रबुद्ध वर्ग को दिया गया उद्‌बोधन

भाजपा इस वर्ष को पंडित दीनदयाल जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मना रही है जिसमे दो तरह के कार्यक्रम किये जा रहे है। पहले प्रकार के कार्यक्रमों में दीनदयाल जी पर लेख लिखना, वक्तव्य देना और उनके सिद्धांतों को लोकप्रिय बनाकर भाजपा शासित प्रदेश सरकारों, महानगरपालिकाओं और नगर पालिकाओं के शासन को उनके अनुरुप चलाना है। भारत सरकार दीनदयालजी के नाम पर योजनाएं बनाएगी, विविध स्थलों पर उनकी प्रतिमा लगेगी, रोड व बगीचा आदि का नामकरण उनके नाम पर होगा। दूसरे कार्यक्रम भाजपा अपने "संगठन विस्तार अभियान" के द्वारा कर रही है। इसके अन्तर्गत पार्टी विचारधारा और दीनदयाल जी की सोच और आदर्शों से लोगों को अवगत कराकर उसकी स्वीकार्यता को बढाने का काम होगा। इस महान कार्य के लिए देशभर में 4 लाख विस्तारक निकले हैं उनमें से एक विस्तारक मैं भी हूँ। लोगों के घर जाना, संपर्क करना, भाजपा के बारे में बताना, उनको सदस्य बनाकर उनके घर पर स्टीकर चिपकाना और उन्हें पार्टी का साहित्य देने का काम यह विस्तारक कर रहे हैं। ये चार लाख लोग, एक वर्ष या छह माह या फिर 15 दिनों तक पूर्णकालिक के रूप में कामरूप से लेकर कच्छ तक व कश्मीर से लेकर कन्या कुमारी तक समूचे देश में घूमने वाले हैं। ये भाजपा कार्यकर्ता बूथों में रात्रि निवास भी करेंगे।

मित्रों...यह एक राजनीतिक प्रयास है। देश की आजादी के बाद का राजनीतिक इतिहास जब लिखा जाऐगा तब दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी विस्तारक योजना का नाम इतिहास में एक विशिष्ट प्रकार से अंकित होगा। समाज के प्रमुख लोगों को खासकर बुद्धिजीवी वर्ग, जो समाज को दिशा देने का काम करते हैं, ऐसे लोगों का भी भाजपा से परिचय कराना है। भाजपा का परिचय सरकारों को चलाने वाली पार्टी के रूप में नहीं कराना बल्कि इस बात से करना है कि **भारतीय जनता पार्टी राजनीति में क्यों है और इसका राजनीति में अंतिम लक्ष्य क्या है?** भाजपा इन दोनों बातों में अन्य पार्टियों की तुलना में कहां है और इन पार्टीयों के समानांतर कहां खड़ी है? इन बातों का एक परिचय देने का एक विनम्र प्रयास करने के लिए में आपके समक्ष उपस्थित हुआ हूँ।

मित्रो...भारतीय जनता पार्टी आज देश में शासन कर रही है तथा भाजपा के एक कार्यकर्ता के रूप में निश्चित रुप से मेरा मानना है कि भाजपा अन्य सभी दलों से अलग है, श्रेष्ठ है और इस बात को लेकर मेरे मन में कोई दुविधा नहीं है। मेरा यह कहना स्वाभाविक है, क्योंकि मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं और अभी तो मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हूँ। इसलिए मैं तो अपनी पार्टी को अच्छा ही बताऊंगा, परन्तु यदि मुझे अपनी बात

को सिद्ध करना है तो मुझे भाजपा का अन्य पार्टियों के साथ तुलनात्मक अध्ययन आपके समक्ष रखना ही पडेगा। मेरे विचार से राजनीतिक दलों का तुलनात्मक अध्ययन तीन बिन्दुओं पर किया सकता है। पहला, **पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र है अथवा नहीं, दूसरा पार्टी किन सिद्धांतों पर चलती है और तीसरा, इनकी सरकारें कैसा काम करती हैं?**

आंतरिक लोकतंत्र

भारत ने आजादी के बाद बहुदलीय संसदीय व्यवस्था को स्वीकार किया। जिसका अर्थ यह है कि राजनीति व्यक्ति आधारित पार्टियों के आधार पर होगी। लोकतंत्र में प्रमुखशाही हो तो प्रमुख ही एक व्यक्ति के रूप में चुना जाता है जो देश का शासन चलाता है। परन्तु बहुदलीय संसदीय व्यवस्था में पार्टी के नाम पर संसद सदस्य चुने जाते हैं, जो फिर अपना एक नेता चुनते हैं। फिर वह सर्वमान्य नेता राष्ट्र की शासन व्यवस्था को चलाता है। जब हम संसदीय लोकतंत्र की बात करते हैं तब यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि पार्टियों का आंतरिक लोकतंत्र कैसा है? जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र मजबूत नहीं होता वह पार्टी देश के लोकतंत्र कभी भी मजबूत नहीं कर सकती है। देश के लोकतंत्र को वही पार्टी मजबूत कर सकती है जिसमे स्वयं का आंतरिक लोकतंत्र जीवित हो। मित्रों... देश में आज लगभग 1650 राजनीतिक पार्टियों का जमघट है, बिना किसी शंका व संकोच के कहना चाहुंगा कि इन सभी पार्टीयों में से भाजपा व कम्यूनिस्ट पार्टी ही दो ही ऐसी पार्टियां हैं जिनमें आंतरिक लोकतंत्र सलामत है।

अब प्रश्न यह उठता है कि इसका क्या मतलब है? आपको केवल एक ही पार्टी कांग्रेस का उदाहरण देता हूं। कांग्रेस में सोनिया गांधी के बाद अध्यक्ष कौन बनेगा, इस हॉल में बैठे लोग जरा खुलकर बताएं। इसमें किसी को कोई संदेह है क्या, कोई विवाद नजर आता है क्या कि राहुल गांधी ही पार्टी के अगले अध्यक्ष बनेंगे। बताइये इसमें किसी को जरा भी शंका है क्या ? अब जरा मुझे यह बताइये कि मेरे बाद भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष कौन बनेगा, कोई नहीं बता सकता है! इसका कारण यह है कि **भारतीय जनता पार्टी में वंश,जाति और राजनीतिक घराने के आधार पर नहीं बल्कि कर्मठता, निष्ठा और मेहनत के आधार पर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते हैं।** यदि ऐसा नहीं होता तो संघवी स्कूल, नारणपुरा के एक बूथ का बूथ अध्यक्ष रहा एक कार्यकर्ता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कभी नहीं बन सकता था। एक गरीब चाय बेचने वाले को बेटा, जिसके परिवार की कोई राजनीतिक प्रष्ठभूमि नहीं, जिसकी जाति का गुजरात की राजनीति में कोई अस्तित्व भी नहीं है, वह सवा सौ करोड़ के देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था। इसका अर्थ यह है कि भाजपा में आंतरिक लोकतंत्र है। यहां भविष्य किसी का बंधक नहीं है बल्कि वह कल-कल बहती नदी की तरह है जो अपनी दिशा स्वयं तय करता है। भाजपा में कुछ तो अलग होगा कि 16 साल का नवयुवक पोस्टर लगाते और पम्पलेट बाँटते-बाँटते सिर्फ क्षमता के आधार पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद तक भी पहुंच सकता है। यह भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है कि कुछ कर गुजरने की ताकत रखने वाला व्यक्ति किसी राज्य का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री भी बन सकता है।

मित्रों...समस्त भारत के राजनीतिक परिपेक्ष्य में दूरबीन लेकर भी तलाश करेंगे तो कहीं आंतरिक लोकतंत्र जीवित नहीं मिलेगा। आंतरिक लोकतंत्र का अभाव भारत जैसे विविधता भरे देश के लिए सबसे बडा खतरा है। भाजपा इन सभी 1650 राजनीतिक दलों के जमघट में एक मात्र ऐसी पार्टी है जिसमें बूथ से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के चुनाव हर 3 साल में होते हैं। जैसे एक घनघोर अंधेरी रात में अचानक चमकती बिजली प्रकाश पुंज बिखेर जाती है, वैसे ही आंतरिक लोकतंत्र खो चुकी इन पार्टीयों के बीच में भारतीय जनता पार्टी चमकती बिजली के समान है। एक मात्र भारतीय जनता पाटी ही है जिसने अपने आंतरिक लोकतंत्र को पूंजी की तरह संभाल कर रखा है और मात्र भारतीय जनता पार्टी में खुले विचारों का स्वागत है।

पार्टी के सिद्धांत

मित्रों...भारतीय जनता पार्टी की उत्पत्ति सिद्धांतों को लेकर हुई है न कि कोई राज्य को हासिल करने के लिए या फिर देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए। इस बात को समझना हो तो इतिहास में थोडा पीछे जाना पड़ेगा। इस विचारधारा के दल की स्थापना पचास के दशक में हुई। देश ताजा ताजा आजाद हुआ था, आजादी का पूरा श्रेय कांग्रेस के खाते में जमा था। जवाहर लाल नेहरु की लोकप्रियता चरम पर थी। कोई सोच भी नहीं सकता था कि लंबे समय तक कोई और पार्टी सत्ता में आ सकेगी। ऐसे समय में कुछ लोगों ने जनसंघ की स्थापना की। उन्होंने जनसंघ की स्थापना इसलिए नहीं की थी कि उन्हें पता था कि 2014 में प्रधानमंत्री भाजपा के होंगे अथवा अटल बिहारी वाजपेयी संयुक्त सरकार के प्रधानमंत्री होंगे। भारतीय जनसंघ की स्थापना इसलिए हो क्योंकि जवाहरलाल जी के नेतृत्व में जो सर्वदलीय सरकार बनी उसकी नीतियां उचित नहीं थीं। **देश की शिक्षा नीति, कृषि नीति, अर्थ नीति, विदेश नीति, रक्षा नीति, इत्यादि को जब बनाया गया तथा उनके मसौदे जब संसद के सामने आने लगे तब कई लोगों को लगा कि देश गलत रास्ते पर जा रहा है। उन्हें लगा देश की जो नीतियां बन रही हैं उन पर पश्चिम का जबरदस्त असर है। उन्हें लगा कि इन नीतियों में देश की माटी की सुगंध नहीं है और देश की समस्याओं का समाधान इन नीतियों से नहीं हो पायेगा।**

मित्रों...जब किसी जगह हमें दो तरफ रास्ता नजर आए, अपना लक्ष्य दाएं रास्ते की ओर हो लेकिन गलत निर्णय हो जाए और हम बायीं ओर पचास किलोमीटर दूर बढ जाऐं तो हम लक्ष्य से सौ किमी दूर हो जाएंगे। क्योंकि दिशा गलत पकड़ ली थी। ऐसे ही इन सभी नेताओं को लगा कि देश की समस्याओं का समाधान इन नीतियों में नहीं है, इसीलिए इन लोगों ने विचार किया की देश की नीतियां ऐसी नहीं होनी चाहिए। लेकिन तब उनकी सुनने वाला कोई नहीं था। जवाहरलालजी के पास प्रचंड बहुमत था, लोकप्रियता भी चरम पर थी। ऐसे में कुछ लोगों ने विचार किया की एक ऐसी पार्टी बनाएं जो इन नीतियों की वैकल्पिक नीतियां बनाकर जनता के सामने रखे। मित्रों... वैकल्पिक नीति बताने

के लिए जनसंघ स्थापना के समय देश क्या एक नगर पालिका भी नहीं जीत सका। पहली बार जनसंघ ने 1967 में भागीदारी सरकार बनाई पर बहुमत हासिल नहीं हो सका।

उस वक्त कांग्रेस तथा जनसंघ के नेताओं के बीच बहुत अधिक फर्क नहीं था। कांग्रेस के भीतर भी भ्रष्टाचार 1965 के बाद आया, उस वक्त तक दोनों दलों में देशभक्ति के मामले में कोई बड़ा अंतर नहीं था। राजनीतिक दलों के नेता देशभक्ति से युक्त थे तो फर्क क्या था? जनसंघ की स्थापना क्यों करनी पड़ी, भारतीय जनसंघ के सिद्धांत क्या थे, ये बहुत बडा सवाल था। लेकिन जब मेरे जैसे कार्यकर्ता को कोई कहे कि इस विषय को एक वाक्य में समझाओं तब में कहता हूं कि उस वक्त कांग्रेस मानती थी कि इस देश में सबकुछ पुराना है, अपनी परिवार नामक संस्था, संस्कार, अपनी परंपरा सब पुरानी हो चुकी है। इन सबको तोड़-फोड़ दो और एक नया देश बनाओ। दूसरी ओर भारतीय जनसंघ मानता था कि अपने यहां जो पुराना है वहीं श्रेष्ठ है। एक कालखंड में राजनीतिक परिस्थिति ऐसी आ गई की हम लोग गुलाम हो गये। पुराना सब बेकार नहीं है...इसके भीतर जो परिवर्तन करना पडे तो करें...लेकिन इस देश के नवनिर्माण की जरुरत नहीं है। बल्कि पुनर्निर्माण की जरूरत है। कांग्रेस के नवनिर्माण और भारतीय जनसंघ पुनर्निर्माण के दो बिल्कुल पृथक सिद्धांतों ने स्वतंत्र भारत की राजनीति को दो भागों में बाँट दिया।

भारतीय जनसंघ की स्थापना के बाद पंडित दीनदयालजी ने जनसंघ के सिद्धांतों की व्याख्या की शुरुआत सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से की थी। राष्ट्रवाद का मतलब ही देश प्रेम होता है, परंतु इसके साथ देश की संस्कृति को जोडकर उन्होंने संस्कृतिक राष्ट्रवाद शब्द रख कर एक नए प्रकार के सिद्धांत को देश के राजनैतिक पटल पर उतारा। अर्थनीति के लिए मुक्त व्यापार, मुक्त खेती को बढ़ावा मिले साथ ही साथ खेती भी फले फूले, सभी तरह के बंधन दूर हों, परन्तु यह सब अंत्योदय के लिए होना चाहिए। विकास की पंक्ति के अंतिम व्यक्ति व पहले व्यक्ति को समानता पर लाना ही अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का सिद्धांत है, जिनके लिए जनसंघ की स्थापना हुई।

राजनीतिक पार्टियों का परिचय उसके द्वारा किये गए कामों से होता है। भारतीय जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी तक हमारे द्वारा किये गए राष्ट्रीय आंदोलन के उद्देश्यों का सूक्ष्म विश्लेषण करने पर हमारे चरित्र का पता चलता है। हमारा एक भी आंदोलन अपने नेता को प्रधानमंत्री बनाने का नहीं था। सबसे पहला आंदोलन गौहत्या पर प्रतिबंध और दूसरा कच्छ को पाकिस्तान में जाने से रोकने के लिए था। कच्छ का सत्याग्रह, हैदराबाद का सत्याग्रह, गोवा का सत्याग्रह, राम जन्मभूमि का आंदोलन, भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन, इन सभी आन्दोलनों के केंद्र में देश की समस्याओं का समाधान था न कि किसी व्यक्ति की पूजा। यहीं बताता है जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक हमारे राजनीति में काम करने का चरित्र में कोई बादलाव नहीं आया।

मित्रों... पार्टियों का चरित्र का पता उसके नेताओं से भी लगता है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी कश्मीर के लिए बलिदान हुए और दीनदयाल जी की हत्या की गई। कुशाभाऊ ठाकरे जी, सुंदरसिंह भंडारी जी, अटलजी, आडवाणजी, राजमाता सिंधिया जी,कैलाशपति मिश्र जी और भाई महावीर त्यागी जी जैसे अनेको नेताओं ने पार्टी और देश के लिए तरह-तरह के बलिदान किये।मैं कई नेताओं को जानता हूं जिन्होंने

अपना सारा जीवन, शरीर का कण-कण बिना किसी महत्वाकांक्षा जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से माँ भारती की सेवा में समर्पित कर दिया। जो पार्टी ऐसे आंदोलन खड़ा कर सकती हो और इस प्रकार का नेतृत्व दे सकती हो, ऐसी पार्टी के मूल सिद्धांत के अंदर देशभक्ति के सिवाय कुछ और होना संभव ही नहीं है। मित्रों उसी का परिणाम है कि 10 सदस्यों के जनसंघ से शुरु हुई यात्रा आज 11 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। एक जमाने में एक विधायक भी नहीं चुना जाता था आज 1387 विधायक भारत की विविध विधानसभाओं में हैं। 13 राज्यों में सरकारें है, केन्द्र में पूर्ण बहूमत वाली श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार है। श्री नरेन्द्र मोदी दुनिया में भारत का सम्मान बढाने का काम कर रहे हैं।

भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी सिद्धांतो पर पर चलने वाली पार्टी है, जिसके मूल में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और अंत्योदय है। यहां बैठे कई लोगों को अन्य पार्टीयों की जानकारी होगी, क्या वह बता सकते है कि कांग्रेस के क्या सिद्धांत है? ...कांग्रेस का कोई सिद्धांत नहीं है। यह मैं राजनीतिक विरोध की वजह से नहीं कह रहा हूं...तुलनात्मक जानकारी दे रहा हूं। जिस तरह मैने भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की बात की उसी प्रकार कांग्रेस की स्थापना के मूल में भी जाना चाहिए। कांग्रेस की स्थापना स्वयं सेवी संगठन चलाने वाले एक अंग्रेज ने की थी, जो धीरे-धीरे आजादी के आंदोलन का माध्यम बन गई। सभी विचारधाराओं में मानने वाले लोग जो आजादी प्राप्त करना चाहते थे, वे सब कांग्रेस में शामिल गये। जिनमे वामपंथी, दक्षिण पंथी, समाजवादी और साम्यवादी सभी विचारधाराओं के लोग थे। उसमे मौलाना भी थे तो स्वामी श्रद्धानंद और मालवीय भी थे। अतः कांग्रेस एक राजनीतिक पार्टी के तौर पर एक सिद्धांत के आधार पर चलने वाली राजनीतिक पार्टी के रुप में अस्तित्व में कभी नहीं आयी। कांग्रेस सिर्फ आजादी प्राप्त करने का एक माध्यम थी। आजादी के लिए आंदोलन करना इसका एकमात्र लक्ष्य था। Congress was a special purpose vehicle for independence. इसलिए कांग्रेस के नेता मूल सिद्धांतों के बारे में पूछने पर दाएं-बाएं देखते हैं। मित्रों...जो पार्टी सिद्धांतों के आधार पर न चलती हो वह पार्टी दिशाहीन होती है। यदि मुझे कोई पूछे कि भारतीय जनता पार्टी के 11 करोड़ कार्यकर्ता राजनीति में क्यों है तो मैं बिना संदेह कह दूंगा कि भारत माता को विश्व गुरु के स्थान पर बैठाने के लिए हम लोग राजनीति में काम कर रहे है। यदि प्रश्न आप कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं से पूंछे तो वे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने से आगे नहीं बढ़ पायेंगे। मित्रों, जो पार्टी आंतरिक लोकतंत्र की रक्षा ही न कर सकती हो वह पार्टी देश का भला कैसे कर सकती है? जो पार्टी सिद्धांतों के आधार पर गठित ही न की गई हो वह सिंद्धांतों के आधार पर कभी नहीं चल सकती तो फिर वह देश का क्या भला कर सकती है।

सरकारों की कार्य पद्धति

तीसरी बात है कि जब पार्टी सत्ता में आये तब उसकी सरकार का चरित्र क्या है, इसका भी अध्ययन करना चाहिए। मित्रों...सत्तर वर्ष की आजादी के दौरान इस देश में चार तरह की सरकारों ने हुकूमत की है। इसमे एक कांग्रेस की राज्य और केन्द्र सरकारें...दूसरी केरल, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में अनेक वर्षों तक कम्यूनिस्टो की सरकारें, तीसरी समाजवादी पार्टी , बहुजन समाजवादी पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, राष्ट्रीय जनता दल और बीजू जनता दल जैसे प्रांतीय पार्टियों की अनेक राज्य सरकारें और चौथी भारतीय जनता पार्टी की सरकारें। मेरा यहां बैठे हुए सभी प्रबुद्धजनो से विनम्र अनुरोध है कि इस देश की जनता के समक्ष इन चार प्रकार की सरकारों के काम काज़, जिसके आंकड़े नेट पर उपलब्ध हैं, का एक तुलनात्मक अध्ययन देश की जनता के समक्ष प्रस्तुत करें। यह अध्ययन सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), कृषि विकास दर, शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीब कल्याण, मूलभूत ढाँचे जैसे सभी विकास के पैमानों पर होना चाहिए। मैंने तो यह अध्ययन किया है और इसलिए मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने विकास और स्थायित्व में सभी प्रकार की सरकारों की तुलना में सर्वश्रेष्ठ काम किया है।

एक बार फिर आपकों ऐसा लग सकता है कि अमितभाई तो ऐसा ही कहते रहते हैं। मित्रों पचास के दशक में इस देश के अर्थ जगत के पंडितों ने विभिन्न शासन के दृष्टिकोण से ख़राब राज्यों का अध्ययन करते हुए वित्तीय अनुशासनहीनता औरप्रशासनिक कुप्रबंधन इत्यादि तकनीकी शब्दों को एक शब्द में समेटते हुए 'बीमारु राज्य' नामक शब्द को ईजाद किया। तो ये बीमारु स्टेट कौन थे? यह शब्द कुछ राज्यों के पहले अक्षर को लेकर बनाया गया था। बी अर्थात् बिहार, मा अर्थात् मध्यप्रदेश, आर अर्थात् राजस्थान और यू अर्थात् उत्तरप्रदेश। आज बीमारु राज्यों की स्थिति क्या हैं ? जितने समय तक बिहार में नितीश कुमार के साथ हमारी सरकार थी, बिहार बीमारु राज्य से बाहर आ गया था। आज फिर उसी दिशा की तरफ जा रहा है। मध्यप्रदेश में सत्रह वर्ष से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। आज विश्व को मानना पड़ रहा है कि मध्यप्रदेश बीमारु राज्य से बाहर आ गया है। देश के विकास में मध्यप्रदेश का योगदान है क्योंकि गत 10 वर्षों से वहां पर कृषि विकास दर 10% से अधिक है। मध्यप्रदेश से अलग होने के बाद आज छत्तीसगढ़ भी बीमारु राज्य से बाहर हो गया है। राजस्थान में भी भाजपा की सरकारें लम्बे अरसे तक रही है और आज वह भी बीमारु राज्य की सीमा से बाहर है। मैं आप से कहता हूं कि पांच वर्ष के बाद आप हिसाब मांगेंगे तो भाजपा सरकार आने के बाद उत्तरप्रदेश भी बीमारु राज्य से बाहर पाएंगे। इसलिए गुड गवर्नेंस, वेलफेयर स्टेट और फाईनान्सियल डीसिपलिन यदि किसी पार्टी की सरकारों ने दिया है तो वह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं। **भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने सर्व स्पर्शीय, सर्वसमावेशी विकास मॉडल देने की शुरुआत की है। गुजरात में नरेन्द्र मोदी जी ने इसकी शुरुआत की थी।**

विकास की कल्पना क्या है? इस हाल में बैठे हुए व्यक्ति के पास एक से तीन गाड़ियां हो जाये...यह विकास की कल्पना नहीं है। विकास की कल्पना यह है कि विकास के मॉडल में देश का हर नागरिक शामिल हो। हर पढ़ा लिखा, अशिक्षित, महिला, पुरुष, दलित, शहरवासी, गांववासी, उद्यमी, किसान सभी को विकास का अहसास हो। भारतीय जनता पार्टी ने इस प्रकार के विकास मॉडल के साथ काम किया है।

मित्रो, नरेन्द्र भाई ने केन्द्र में जिस सरकार का संचालन किया है वही मेरे अनुसार सर्व स्पर्शीय और सर्व समावेशी सरकार का उदाहरण है। मुझे बहुत कुछ ज्यादा नहीं कहना है बस इस बात के एक-दो उदाहरण दूंगा।। नरेन्द्र भाई ने प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले भाषण में जनधन योजना घोषित किया। सब को लगा कि जनधन योजना का अर्थ बैंक एकाउन्ट खोलना है। सत्तर साल की आजादी के बाद भी देश में 60 % ऐसे लोग ऐसे थे जिनके पूरे परिवार में एक भी बैंक एकाउन्ट नहीं था। नरेन्द्र भाई ने दो वर्ष के अंदर 28.7 करोड़ बैंक एकाउन्ट खोलने का फैसला किया। आज देश में एक भी परिवार ऐसा नहीं है जिसका बैंक एकाउन्ट न हो। बैंक एकाउंट खोलने का अर्थ है एक गरीब व्यक्ति का देश की अर्थव्यवस्था के साथ सीधा जुड़ाव, बचत का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार।

मित्रो, जनधन योजना के बाद नरेन्द्र भाई ने तय किया लाभार्थियों को अब सब्सिडी सीधे उनके बैंक के खाते में दी जायेगी। उदहारण के तौर पर रसोई गैस की सब्सिडी, पहले आपको गैस सस्ती मिलाती थी, अब सब्सिडी का पैसा आपके खाते में आता है। आपको शायद लगा हो कि इसमें फायदा क्या...यह तो ऊपर से मुसीबत बढ़ गई...पहले सीधे सस्ता मिल जाता था। वही अच्छा था, परन्तु मित्रों चौदह हजार करोड़ रुपये का स्थायी भ्रष्टाचार गैस की सब्सिडी में था जो कि पहले भूतिया गैस होल्डर के जरिये जाता था। बड़ौदा के सभी फाइव स्टार होटलों में भूतिया गैस सिलिन्डर से स्वादिष्ट भोज मिलता था। आज उन सभी को सब्सिडी बिना गैस सिलिंडर लेना पड़ता है। डायरेक्ट सब्सिडी ट्रान्सफर से 14000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार समाप्त किया गया है।

उसके बाद नरेन्द्र भाई ने एक और अपील की...मुझे भी लगा कि नरेन्द्र भाई ये सब हैरत से परिपूर्ण प्रयोग करते जा रहे हैं। उन्होंने एक अनुरोध किया आप पर ईश्वर की कृपा है, आप सह सकते हैं तो इस देश के गरीबों के लिए अपनी रसोई गैस की सब्सिडी छोड़ दें। भाई एक वृद्ध व्यक्ति के आने पर यदि हमें अपनी सीट खाली करनी पड़े, ऐसा शिष्टाचार धीरे-धीरे खतम होता जा रहा है। बस की सीट खाली न कर सकने वाले समाज से नरेन्द्र भाई ने सब्सिडी छोड़ने के लिए कहा और एक करोड़ पांच लाख लोगो ने अपनी सब्सिडी गरीबों के लिए छोड़ दी। यह है नेतृत्व का असर। श्री लाल बहादुर शास्त्री ने 1965 में एक बार कहा था कि अमेरिका चावल के कारण हम लोगों पर दबाव डालता रहता है। युद्ध में समझौता न करने के लिए देश के लोग चावल खाना बंद कर दें। देश की जनता ने चावल खाना बंद कर दिया था। 1965 के बाद सीधे 2017 में नरेन्द्र मोदी ने यह हिम्मत की और एक करोड़ लोगों ने अपनी सब्सिडी छोड़ दी।

फिर मोदी जी ने देश की पांच करोड़ गरीब ग्रामीण महिलाओं को गैस सिलिंडर देने का निर्णय किया। शायद इस हाल में बैठे लोगों को गैस सिलिंडर और उज्ज्वला योजना का महत्व समझ में नहीं आये क्योंकि आप लम्बे समय से अभावग्रस्तता से अनभिज्ञ हैं। परन्तु मित्रों कल्पना करो झोपड़ी में उपला और लकड़ी जलाकर कोई मां खाना बना रही हो पूरी झोपड़ी धुएं से भर जाये। उसे सिगरेट पीने की आदत न हो फिर भी रोज 400 सिगरेट जितना धुंआ उसके फेफड़े में जाए और वह टीबी से पीड़ित हो जाए। उसका बच्चा बचपन से ही कमजोर हो, उसके वृद्ध सास–ससुर धुंए के कारण जीवन त्याग दें। इसकी चिंता 70 वर्षों तक नहीं हुई। ऐसी गरीब महिला के घर में गैस का चूल्हा पहुंचने से उसे भी देश की आजादी के लाभ का अहसास होता है। वह महिला देश की स्वतंत्रता की भागीदार है इसकी अनुभूति नरेन्द्र मोदी की सरकार ने उसे दी है। पहले सभी ने खाता खुलवाने के बाद सीधे तौर पर सब्सिडी देकर पैसा बचाया। सब्सिडी छोड़ने की अपील की और आखिर में पांच करोड़ परिवारों का आत्मविश्वास बढ़ाया और उनके लिए उज्ज्वला योजना बनायी। मित्रो इसी का नाम है भारतीय जनता पार्टी की सरकार।

तीन वर्षों में साढ़े चार करोड़ शौचालय बनाने में भी आपको लग सकता है कि यह कौन सी बड़ी बात है ? मित्रो, अपने शायद उत्तरप्रदेश के पूर्वांचल और बिहार को ठीक से नहीं देखा होगा क्योंकि मैने भी वह उत्तर प्रदेश जाने के बाद देखा था। वहां 17 वर्ष की बच्ची को जब प्राकृतिक क्रिया के लिए खुले में बैठना पड़ता है और हजारों नजरे उस पर पड़ती है तो उसकी मनोदशा क्या होती होगी। उसका आत्मविश्वास चूर-चूर हो जाता है और वह आत्मग्लानि से भर जाती है। अभी तो उसे नागरिक बनना और देश के विकास में योगदान देना बाकी है।। आज नरेन्द्र भाई ने साढ़े चार करोड़ शौचालय बनवा कर देश की करोड़ो बेटियों बहनों को सम्मान पूर्वक जीने का अधिकार दे दिया है। सरकारें इसी के लिए होती हैं कि वह एक बेटी को नागरिक बनने और सपना देखने का अधिकार दे, मोदी सरकार यह काम किया है।

मित्रों, जीएसटी पास हो गया। सर्जिकल स्ट्राइक से पाकिस्तान और दुनिया को समझा दिया कि यहां पोपा बाई का राज नहीं चल रहा है। मित्रो एक, दो, पांच नहीं एक साथ 104 उपग्रह छोड़कर अमेरिका से भी आगे जाकर आज अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत का नेतृत्व नरेन्द्र मोदी ने प्रस्थापित किया। योग दिवस के द्वारा भारत को विश्व में पहुंचाया और अब 170 देश 21 जून को योग दिवस मनायेंगे। इस प्रकार मोदी जी ने सम्पूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति का डंका बजा दिया है। ओबीसी कमीशन को संवैधानिक मान्यता देकर पिछड़े वर्ग के अधिकारों को संविधान की परिधि में लाने का काम हुआ है। पार्टियों को 20 हजार रुपये तक का चन्दा नगद में लेने की छूट को घटाकर दो हजार रुपये करके राजनैतिक फंडिंग में कालेधन को रोका गया है। नोटबंदी का फैसला , गुमनामी संपत्ति का कानून, शत्रु सम्पत्ति का कानून, 91 लाख नये करदाताओं का पेनकार्ड नम्बर बनाने से अर्थव्यवस्था में परिदार्शिता लायी गई है। आज भीम ऐप दुनिया का सर्वाधिक लोकप्रिय डिजिटल ट्रांजेक्शन ऐप बन कर उभरा है। इस प्रकार के अनेक कार्यों की सूची है।

मित्रों, परन्तु एक गुणात्मक परिवर्तन जो आया है वह यह है कि जिसे जिसकी जरुरत है शासन तंत्र में उस पर विचार करने की एक नई संस्कृति बनी है और सोच के स्केल को बदलने का काम भी मोदी सरकार ने किया है। इस देश का ऐसा कोई भी गांव न हो जहां बिजली न हो, इस देश मं कोई ऐसा घर न हो जहां शौचालय न हो, इस देश में कोई घर ऐसा न हो जहां गैस का सिलिंडर न हो, कोई परिवार न हो जिसका

बैक में खाता न हो। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने स्केल बदलने का काम किया है। मित्रो वह तभी होता है जब सिद्धांतों के आधार पर चलने वाली पार्टी शासन में हो। मैं एक बार फिर कहूंगा कि जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र न हो जो सिद्धांतों के आधार पर न चल रही हो, जो लोक कल्याण और देश के गौरव के लिए काम न करती हों, वह देश का भला कभी नही कर सकतीं है।

मित्रो, विश्व में कही भी चले जाए, दुनिया तीन वर्ष पूर्व भारत को जिस नजरिए से देखती थी वह आज किस तरह देख रही है, उसमें जमीन आसमान का परिवर्तन आ गया है। यह परिवर्तन नरेन्द्र मोदी की सरकार ने किया है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है और भारतीय जनता पार्टी के अदना कार्यकर्ता ने किया है। भारतीय जनता पार्टी नामक यह एक ऐसी मशीन है जिसमें योग्यता रखने वाला व्यक्ति अपने आप सर्वोच्च स्थान तक पहुंच जाता है। मित्रों, आपकी बनायी हुई नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 26 मई को अपने तीन वर्ष पूरे किये है। यह सरकार हर 15 दिनों में एक योजना लेकर आयी है। मेरे पास पूरी सूची है, कुल 106 योजनाओं की। इन सब के बारे में बताने का अभी समय नहीं है मेरे पास। मित्रों, सभी योजनाओं के मूल में देश की वर्षों पुरानी समस्याओं के निवारण का मार्ग है। मैं सब पढ़ना तो नहीं चाहता परन्तु 106 योजनाओं का उच्चारण तो हमें एक बार करना ही चाहिए क्योंकि पार्टी ने मुझे यह काम दिया है। मैं पढ़ रहा हूं आपको जब संतोष हो जाये तो ताली बजाकर रोक देना...प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सुकन्या समृद्ध , मुद्रा बैंक योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, आदर्श ग्राम योजना, फसल बीमा योजना, ग्राम सिंचाई योजना,मेक इन इण्डिया, स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया.... अभी तो 16 तक ही पहुंचा हूं। मित्रों यह सब मैं आप से इसलिए कह रहा हूं कि आप सब इस देश के लोकतंत्र के सजग प्रहरी हैं।

व्यक्तित्व से चकाचौंध होकर महापौर , सांसद को वोट मत दें। पहले बहने मटका लेने जाती थी, अब तो बहुत जरुरत नहीं पड़ती क्योंकि बोतल आ गयी है। परन्तु पहले मटका पर टंकार कर जांच करती थी, 20 रुपये के मटका पर चार बार टंकार करती थी कि कहीं फूटा हुआ तो नहीं। यह तो देश सौंपने का मामला है...पार्टी पर ठीक ढंग से टंकार करें, कौन सी पार्टी कैसी है...और उसके बाद देश सौपें। भाई पार्टी का नेता कैसा है? पार्टी कैसी है?टंकार करके देखना। मित्रो इसी आशय से आज मेरी पार्टी ने मुझे यह काम सौंपा है कि मैं आपका भारतीय जनता पार्टी से परिचय करवाऊं। भारतीय जनता पार्टी की कार्य पद्धति, उसके सिद्धांत और उसकी पार्टी की सरकारों के बारे में बताऊं। मैंने इन तीनों का परिचय बहुत कम समय में आपके समक्ष प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। मित्रो आप सबको एक बार फिर से मैं विश्वास दिलाना चाहता हूं कि मोदी जी के नेतृत्व मे जो सरकार चल रही है उसमें एक काम हो , दो काम न हो , दो काम हो, पांच काम न हो, पांच काम होगा तो एक काम रह जायेगा, परन्तु देश का गौरव एक इंच भी कम नहीं होगा। इसका विश्वास देकर मैं मेरी बात समाप्त करता हूं।

..... भारत माता की जय .....

सिटी ब्यूटीफुल में शाह का रोड शो

Amit Shah inaugurates renovated BJP office in city

चंडीगढ़ में विस्तारक योजना का विस्तार करें कार्यकर्ता : शाह

कश्मीर समस्या के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : शाह

कहा–इस मुद्दे पर एन.डी.ए. सरकार गंभीर, जल्द सार्थक परिणाम सामने आएंगे

BJP will win 2019 Lok Sabha election by bigger margin: Shah

वर्करों में जोश भर आधी रात को दिल्ली लौटे शाह

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी

पार्टी की रीढ़ होते हैं। कार्यकर्ताओं के

वर्कर्ज को लोकसभा चुनावों के लिए तैयार कर गए शाह

बुद्धिजीवी वर्ग को भी समझाई भाजपा की विचाराधारा

'सिद्धांतहीन कांग्रेस पार्टी क्षय रोग की हुई शिकार'

प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलन में बोले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ▸▸ पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों पर डाला प्रकाश

Shah gets a rousing welcome

शाह के संकेत से कई भाजपाइयों की हवा खराब

कयायद

'कांग्रेस के अगले अध्यक्ष का सबको पता, भाजपा का कोई नहीं जानता'

शाह का तंज कहा-जिन दलों का आंतरिक लोकतंत्र मजबूत नहीं वह किस तरह से देश को करेंगे मजबूत

अमर उजाला ब्यूरो

चंडीगढ़।

पाक को चेतावनी, कड़े सबक के लिए रहे तैयार: अमित शाह

भारतीय जवानों के शवों के साथ बर्बरता की घटना पर जताया गुस्सा

मोहित धुपड़

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

1916 2016

जन्म शताब्दी वर्ष

http://www.bjp.org/adhyakshiyapravas2017